Breitkopf & Härtels Orchesterbibliothek

-146

No. 239

# Wagner

## Vorspiel

zu

## „LOHENGRIN"

DEPOSITARIA

Trompete II.

Verlag von
BREITKOPF & HÄRTEL
in
LEIPZIG.

K. OERTEL X.A.

F. Wanderer

# Vorspiel zu „Lohengrin“.

## Tromba II in D.

Richard Wagner.

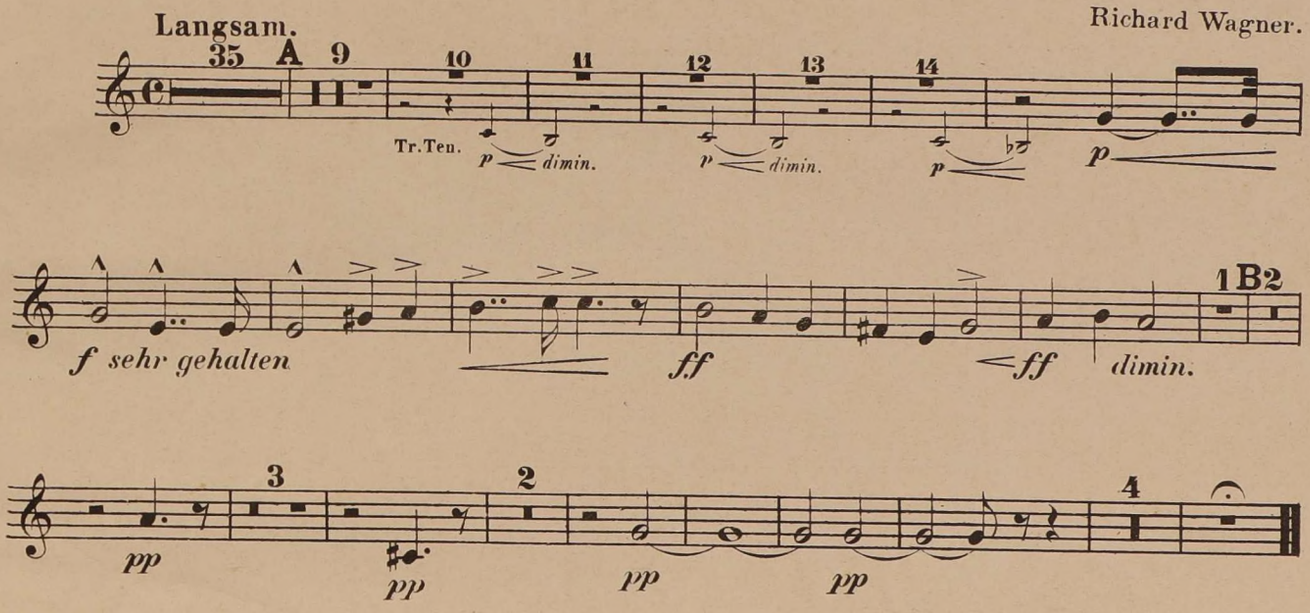


Stich und Druck von Breitkopf & Härtel in Leipzig.



Aufführungsrecht vorbehalten.

# Breitkopf & Härtel's Orchesterbibliothek.

Die Stimmen werden in beliebiger Anzahl abgegeben. *St.* = Stimmen *H.* = Hefte Preis jedes Heftes 30 Pfg.

## Geistliche Gesangwerke.

Orgelstimme je ℳ 1.50, mit † bezeichnet ℳ 3.—, mit †† ℳ 6.—.

| Nr. | | St. | H. |
|---|---|---|---|
| 1201 | **Bach,** Kantate Nr. 4. »Christ lag in Todesbanden« (G. Schreck). Orgel u. | 10 | 10 |
| 703 | —— Kantate Nr. 6. Bleib' bei uns (R. Franz). Org. u. | 17 | 17 |
| 1204 | —— Kantate Nr. 21. »Ich hatte viel Bekümmernis« (G. Schreck). Orgel u. | 13 | 13 |
| 1208 | —— Kantate Nr. 28. »Gottlob, nun geht das Jahr zu Ende« (G Schreck). Orgel u. | 4 | 4 |
| 1206 | —— Kantate Nr. 39. »Brich dem Hungrigen dein Brot« (G. Schreck). Orgel u. | 10 | 10 |
| 1205 | —— Kantate Nr. 50. »Nun ist das Heil« (G. Schreck). Orgel u. | 12 | 12 |
| 1202 | —— Kantate Nr. 79. »Gott der Herr ist Sonn u. Schild« (G. Schreck). Orgel u. | 14 | 12 |
| 701/2 | —— Kantate Nr. 80. Ein' feste Burg. (A. Becker) Org. u. | 13 | 12 |
| 1203 | —— Kantate Nr. 106. »Gottes Zeit ist die allerbeste Zeit« (G. Schreck). Orgel u. | 6 | 6 |
| 1207 | —— Kantate Nr. 137. Lobe den Herren (G. Schreck). Orgel u. | 11 | 11 |
| 1209 | —— Kantate Nr. 158. Der Friede sei mit Dir (G. Schreck). Orgel u. | 4 | 4 |
| 704 | **Bargiel,** Der 61. Psalm. Op. 43 | 21 | 20 |
| 705/6 | **Becker,** Reformationskantate. Op. 28. Orgel u. | 24 | 24 |
| 707 | —— Kantate. Op. 50. Orgel u. | 25 | 25 |
| 741 | —— Kantate »Herr wie lange«. Op. 73. Orgel u. | 20 | 20 |
| 744 | —— Weihegesang. Op. 74 | 11 | 11 |
| 749 | —— Psalm 84. Op. 79. Orgel u. | 5 | 5 |
| | —— 4 geistl. Minnelieder von der Wende des XIII. Jahrhunderts. Nr. 1. Vor dir, o Gott, erbarmungsvoll. — 2. Es leuchtet uns ein Freudentag. — 3. Harren will ich deiner Zeit. — 4. Gott ist gewaltig. | | |
| 384 | —— —— Ausgabe A für Chor, Bariton-Solo u. Orch. | 27 | 27 |
| 385 | —— —— Ausgabe B für Chor, Bariton-Solo, Orgel (Harm.) u. Harfe (Pfte.) (Harfenst. 1½ ℳ) | — | — |
| 711 | **Beethoven,** Opferlied. Op. 121 b | 11 | 11 |
| 708 | —— Kantate auf d. Tod Joseph II. | 15 | 15 |
| 709 | —— Kantate a. d. Erhebung Leopold II. zur Kaiserwürde. | 18 | 18 |
| 710 | —— Opferlied. (Suppl. 268) | 6 | 6 |
| 395 | **Bruch,** Jubilate, Amen. Op. 3 | 18 | 18 |
| 750 | **Franck,** Psalm 150. Orgel u. | 25 | 25 |
| 797/99 | **Graun,** Der Tod Jesu. Kantate | 11 | 11 |
| 791 | **Habert,** Te Deum laudamus. Op. 37. Orgel ℳ 1.— u. | 12 | 12 |
| 712/13 | **Hamerik,** Christliche Trilogie. Op. 31. Orgel u. | 28 | 28 |
| 1226 | **Händel,** Halleluja aus »Der Messias« | 18 | 17 |
| 539 | **Haydn,** »Die Himmel erzählen« aus der Schöpfung | 23 | 23 |
| 714 | **Hofmann,** Kantate. Op. 64. Orgel u. | 23 | 23 |
| 739 | **Huber,** Weihegesang. Op. 1. Orgel u. | 5 | 5 |
| 715 | **Jadassohn,** Der 100. Psalm. Op. 60 | 23 | 23 |
| 716 | —— Trostlied. Op. 65. Orgel u. | 23 | 23 |
| 800 | **König,** Offertorium. Veritas mea. Op. 11. Orgel ℳ 1. | 10 | 10 |
| 717 | **Mendelssohn,** Der 115. Psalm. Op. 31 | 15 | 14 |
| 718 | —— Der 42. Psalm. Op. 42 | 21 | 20 |
| 719 | —— Der 95. Psalm. Op. 46 | 21 | 20 |
| 720 | —— Der 114. Psalm. Op. 51 | 23 | 22 |
| 721/22 | —— Lobgesang, Kantate. Op. 52. Orgel u. | 23 | 22 |
| 723 | —— Lauda Sion. Op. 73 | 21 | 20 |
| 724 | —— Der 98. Psalm. Op. 91. Orgel u. | 22 | 21 |
| 725 | —— Hymne. Op. 96 | 18 | 17 |
| 726 | —— Tu es Petrus. Op. 111 | 17 | 16 |
| 727 | —— Verleih uns Frieden | 12 | 12 |
| 731 | **Mozart,** Graduale ad Festum. (Werk 273). Orgel u. | 5 | 4 |
| 733 | —— Hymnus justum deduxit dom. (326). Orgel u. | 1 | 1 |
| 550 | —— Motette »Ave verum corpus« (618) | 4 | 4 |
| 732 | —— Offertorium de B. M. V. (277). Orgel u. | 3 | 3 |
| 730 | —— Offertorium de venerabili sacramento (260). Org. u. | 3 | 3 |
| 728 | —— Offertorium: »Misericordias Domini« (222). Orgel u. | 8 | 8 |
| 745 | —— Offertorium pro festo Sti. Joannis Baptistae (72). Orgel u. | 3 | 3 |
| 729 | —— Offertorium pro omni tempore (117). Orgel u. | 10 | 10 |
| 746 | —— Psalm 129 »De profundis« (93). Orgel u. | 1 | 1 |
| 747 | —— Regina coeli (276). Orgel u. | 8 | 8 |
| 734 | **Neukomm,** Der Ostermorgen, Kantate | 21 | 20 |
| 735 | **Nicodé,** Erbarmen (Hymnus). Op. 33 | 23 | 23 |
| 736 | **Röntgen,** Gebet. Op. 27 | 23 | 23 |
| 743 | **Scharwenka, X.,** Domine Jesu Christe aus Mataswintha | 6 | 6 |
| 737 | **Schumann,** Motette: Verzweifle nicht. Op. 93. Orgel u. | 21 | 21 |
| 1227 | **Schütz,** 3 bibl. Scenen. Nr. 3. Der zwölfjährige Jesus im Tempel. | 3 | 3 |
| 1042 | —— Die 7 Worte Jesu Christi am Kreuz | 7 | 6 |
| 740 | **Tinel,** Angelus aus Franziskus. Op. 36 | 18 | 18 |
| 748 | —— Schlussgesang a. Franziskus. Op. 36 | 28 | 28 |
| 742 | —— Sonnengesang aus Franziskus. Op. 36. | 24 | 24 |
| 738 | **Wagner,** Das Liebesmahl der Apostel | 31 | 31 |

## Messen.

Orgelstimmen je ℳ 1.50, mit †† bezeichnet ℳ 6.—.

| Nr. | | St. | H. |
|---|---|---|---|
| 779/82 | **Bach,** Hohe Messe, *H moll.* Orgel †† u. | 19 | 18 |
| 751/52 | **Becker,** Messe, *B moll.* Op. 16. Orgel u. | 29 | 29 |
| 753 | **Beethoven,** Messe, *C dur.* Op. 86 | 18 | 17 |
| 754/55 | —— Missa solemnis, *D dur.* Op. 123. Orgel u. | 24 | 24 |
| 778 | **Bibl,** Requiem. Op. 79. Orgel u. | 15 | 15 |
| 756 | **Bruch,** Kyrie, Sanctus u. Agnus Dei. Op. 35. Orgel u. | 24 | 24 |
| 772/73 | **Cherubini,** Requiem, *C moll* | 19 | 19 |
| 450 | **Führer,** Landmesse Nr. 6, *Es dur.* Orgel u. | 12 | 11 |
| 775 | **Götze,** Messe. Op. 38. Dir.-st. 2 ℳ | 15 | 15 |
| 757/58 | **Gouvy,** Requiem. Op. 70. Orgel u. | 24 | 24 |
| 759 | —— Messe. Op. 72 | 24 | 24 |
| 789 | **Habert,** Requiem Nr. 1, *F dur.* Op. 24. Orgel 1 ℳ u. | 6 | 5 |
| 790 | —— Messe, *F dur.* Op. 29 | 7 | 7 |
| 792 | —— Messe, *D dur.* Op. 40. Orgel 1 ℳ u. | 5 | 5 |
| 774 | —— Messe, *C dur.* Op. 55. Orgel u. | 5 | 5 |
| 776/7 | **Haydn,** Messe Nr. 3 (Nelson-) *D moll.* Orgel u. | 13 | 13 |
| 762 | **Mozart,** Messe Nr. 2, *D moll.* (65) Orgel u. | 3 | 3 |
| 763 | —— Messe Nr. 6, *F dur.* (192) Orgel u. | 4 | 3 |
| 764 | —— Messe Nr. 7, *D dur.* (194) Orgel u. | 4 | 3 |
| 765 | —— Messe Nr. 10, *C dur.* (258) Orgel u. | 6 | 6 |
| 766 | —— Messe Nr. 11, *C dur.* (259) Orgel u. | 6 | 6 |
| 767 | —— Messe Nr. 13, *B dur.* (275) | 3 | 3 |
| 760/61 | —— Requiem, *D moll.* (626) Orgel u. | 17 | 17 |
| 768 | **Scholz,** Requiem. Op. 16 | 21 | 20 |
| 786/88 | **Schubert,** Messe Nr. 5, *As dur.* Orgel u. | 20 | 20 |
| 783/85 | —— Messe Nr. 6, *Es dur* | 19 | 19 |
| 769/70 | **Schumann,** Messe. Op. 147. Orgel u. | 21 | 21 |
| 771 | —— Requiem. Op. 148 | 21 | 21 |

## Oratorien.

Orgel- u. Klavierstimmen je ℳ 1.50, mit † bezeichnet ℳ 3.—, mit †† ℳ 6.—.

| Nr. | | St. | H. |
|---|---|---|---|
| 847/50 | **Bach,** Lukas-Passion. Orgel †† u. | 10 | 9 |
| 831/34 | —— Matthäus-Passion (R. Franz). Pianoforte †, Orgel † u. | 30 | 29 |
| 801/3 | **Becker,** Selig aus Gnade. Op. 61. Orgel u. | 25 | 25 |
| 804/5 | **Beethoven,** Christus am Oelberge. Op. 85 | 21 | 20 |
| 806/8 | **Deprosse,** Salbung Davids. Op. 30 | 24 | 24 |
| 809/11 | **Händel,** Messias | 21 | 20 |
| 842/46 | **Haydn,** Die Jahreszeiten | 24 | 24 |

## Oratorien.

Orgel- u. Klavierstimmen je ℳ 1.50, mit † bezeichnet ℳ 3.—, mit †† ℳ 6.—.

| Nr. | | St. | H. |
|---|---|---|---|
| 835/38 | **Haydn,** Schöpfung | 23 | 23 |
| 839/41 | —— Sieben Worte | 21 | 21 |
| 812/14 | **Mendelssohn,** Paulus. Op. 36. Orgel u. | 24 | 23 |
| 815/17 | —— Elias. Op. 70. Orgel u. | 23 | 22 |
| 818 | —— Christus. Op. 97 | 21 | 20 |
| 819/21 | **Molique,** Abraham. Op. 65. Orgel u. | 24 | 23 |
| 822/24 | **Raff,** Welt-Ende, -Gericht, Neue Welt. Op. 212 | 29 | 28 |
| 825/27 | **Reinthaler,** Jephtha u. s. Tochter | 24 | 23 |
| 828/30 | **Spohr,** Fall Babylons | 25 | 25 |
| 1269 | **Tinel,** Franziskus. Op. 36. Streichstimmen je 6 ℳ. Harmoniest. leihweise. | 5 | 5 |

## Konzert-Gesang- und Dramatische Werke.

Orgel- u. Klavierstimmen je ℳ 1.50, mit † bezeichnet ℳ 3.—.

| Nr. | | St. | H. |
|---|---|---|---|
| 949 | **d'Albert,** Der Mensch und das Leben. Op. 14 | 28 | 28 |
| | —— Altpreuss. Kriegslieder für 4 Männerstimmen (Musik am preuss. Hof. No. 7) C. te Peerdt | 19 | 19 |
| 1004 | **Becker,** »Herrlich auferstanden«. Op. 35 Nr. 5 | 26 | 26 |
| 851 | —— Auf Kaiser Friedrichs Tod. Op. 60 | 30 | 30 |
| 1005/6 | **Beer,** Der wilde Jäger. Op. 20 | 33 | 31 |
| 407 | **Beethoven,** Chor-Phantasie. Op. 80. Pfte. u. | 18 | 17 |
| 20 | —— Musik zu Goethe's Egmont. Op. 84 | 21 | 20 |
| 852 | —— Meeresstille. Op. 112 | 20 | 19 |
| 853/54 | —— Ruinen v. Athen. Op. 113 | 27 | 26 |
| 855 | —— Marsch u. Chor a. d. Ruinen v. Athen. Op. 114 | 21 | 20 |
| 856/57 | —— König Stephan. Op. 117 | 25 | 24 |
| 858 | —— Elegischer Gesang. Op. 118 | 4 | 4 |
| 859 | —— Bundeslied. Op. 122 | 6 | 6 |
| 860 | —— Der glorreiche Augenblick. Op. 136 | 26 | 25 |
| 1025 | —— Chor der Gefangenen aus Fidelio | 17 | 16 |
| 862 | —— Chor auf die verbündeten Fürsten | 18 | 18 |
| 861 | —— Chor zum Festspiel: Weihe des Hauses | 20 | 19 |
| 1088 | —— Schlussgesang a. d. Singspiel »Die gute Nachricht« | 18 | 17 |
| 523/24 | **Berger,** Meine Göttin. Op. 72. (Männerchor) | 26 | 26 |
| 1030 | **Bonvin,** Wittekind. Op. 28 | 25 | 25 |
| 1041 | —— In der Sommernacht. Op. 39 | 25 | 25 |
| 1007 | **Bruch,** Die Birken und die Erlen. Op. 8 | 20 | 20 |
| 948 | —— Normannenzug. Op. 32 | 23 | 23 |
| 863 | —— Hebräische Gesänge. Orgel u. | 23 | 23 |
| 388 | **Eichhorn,** Der Deutschen Wahrspruch | 17 | 17 |
| 1034 | **Euripides,** Chor aus Orestes (A. Thierfelder) | 7 | 7 |
| 864/65 | **Gade,** Komala. Op. 12 | 26 | 26 |
| 866 | —— Frühlings-Phantasie. Op. 23. Pfte. u. | 18 | 17 |
| 867 | —— Frühlings-Botschaft. Op. 35 | 20 | 20 |
| 868 | —— Die heilige Nacht. Op. 40 | 25 | 25 |
| 869/70 | —— Kalanus. Op. 48 | 28 | 28 |
| 871 | —— Zion. Op. 49 | 22 | 22 |
| 872/73 | —— Die Kreuzfahrer. Op. 50 | 26 | 26 |
| 1008/9 | —— Der Strom. Op. 64. Pfte. u. | 24 | 24 |
| 874 | **Gerlach,** Luther's Lob der Musica. Orgel u. | 26 | 26 |
| 875 | **Gernsheim,** Wächterlied. Op. 7 | 23 | 23 |
| 876 | **Goldschmidt, A. v.,** Vorspiel u. Liebesscene a. d. 7 Todsünden | 30 | 30 |
| 880/82 | **Gouvy,** Oedipus in Kolonos. Op. 75 | 25 | 25 |
| 877/79 | —— Iphigenie auf Tauris. Op. 76 | 25 | 25 |
| 1027/9 | —— Polyxena. Op. 88 | 28 | 28 |
| 1014 | **Hamerik,** Erntetanz. Op. 37 | 16 | 16 |
| 883 | **Hartmann,** Frühlingslied. Op. 70 | 23 | 22 |
| 884 | **Haydn,** Der Sturm | 20 | 20 |
| 1037/40 | **Hiller,** Ver Sacrum, (Die Gründung Rom's.) Op. 75 Harmoniestimmen in Abschrift. | 5 | 4 |
| 885 | —— Es fürchte die Götter das Menschengeschlecht. Op. 193 | 24 | 23 |
| 886 | **Hofmann,** Chanpagnerlied. Op. 17 | 19 | 19 |
| 887 | —— Nornengesang. Op. 21 | 21 | 21 |
| 888 | —— Festgesang. Op. 74 | 26 | 26 |
| 889/91 | —— Editha. Op. 100 | 27 | 27 |
| 892 | —— Hymnus. Op. 106 | 30 | 30 |
| 1001/3 | —— Waldfräulein. Op. 111 | 19 | 19 |
| 893 | **Huber,** Meerfahrt. Op. 91 | 24 | 24 |
| 1026 | **Hymnus an Apollo,** (A. Thierfelder) | 5 | 5 |
| 894 | **Jadassohn,** Vergebung. Op. 54 | 25 | 25 |
| 895 | —— Verheissung. Op. 55 | 23 | 23 |
| 1010 | **Josephson,** Arion. Op. 42 | 21 | 21 |
| 531/32 | **Kaun,** Normannen Abschied. Op. 20 für Bariton-Solo und Männerchor | 25 | 25 |
| 896/97 | **Markull,** Rolands Horn. Op. 136 | 22 | 22 |
| 898/99 | **Mendelssohn,** Antigone. Op. 55 | 22 | 21 |
| 911/12 | —— Walpurgisnacht. Op. 60 | 23 | 22 |
| 909/10 | —— Sommernachtstraum. Op. 61 | 25 | 24 |
| 902 | —— Festgesang an die Künstler. Op. 68 | 14 | 13 |
| 900/1 | —— Athalia. Op. 74 | 24 | 23 |
| 904/5 | —— Die Heimkehr aus der Fremde. Op. 89 | 18 | 17 |
| 907/8 | —— Oedipus in Kolonos. Op. 93 | 22 | 21 |
| 906 | —— Loreley-Finale. Op. 98 | 25 | 24 |
| 1036 | —— Chor: »O welch' eine Tiefe« aus Paulus | 25 | 24 |
| 903 | —— Festgesang zur Säcularfeier d. Buchdruckerkunst | 21 | 21 |
| 913/15 | **Nicodé,** Das Meer. Op. 31. Orgel u. | 37 | 37 |
| 916/17 | **Raff,** Die Tageszeiten. Op. 209. Pianoforte † | 24 | 24 |
| 1089 | **Reinecke,** Schlachtlied. Op. 56. Für 2 Männerchöre | 25 | 25 |
| 922/23 | —— Musik zu Schiller's Tell. Op. 102 | 26 | 25 |
| 918/19 | —— Hakon Jarl. Op. 142 | 25 | 24 |
| 920/21 | —— Sommertagsbilder. Op. 161 | 25 | 25 |
| 924 | **Reinthaler,** Das Mädchen von Kola. Op. 16 | 23 | 22 |
| 1011 | **Rietz,** Altdeutscher Schlachtgesang. Op. 12 | 20 | 20 |
| 925 | —— Hymnus. Das grosse deutsche Vaterl. Op. 51 | 26 | 25 |
| 926 | **Röntgen,** Sturmesmythe. Op. 31 | 28 | 28 |
| 927 | **Rudorff,** Gesang an die Sterne. Op. 26 | 20 | 20 |
| 950 | **Scharwenka, X.,** Ländlicher Chor aus Mataswintha | 12 | 12 |
| 1033 | **Schubert,** Hirtenchor aus Rosamunde. Op. 26 | 15 | 15 |
| 1031 | —— Ständchen. Op. 135 (F. Mottl) | 17 | 17 |
| 1035 | —— Mirjams Siegesgesang. Op. 136 (F. Mottl) | 29 | 29 |
| 1032 | —— Gesang der Geister über den Wassern. Op. 167 | 5 | 5 |
| 928/30 | **Schumann,** Das Paradies und die Peri. Op. 50 | 28 | 28 |
| 931 | —— Adventlied. Op. 71 | 23 | 23 |
| 932 | —— Requiem für Mignon. Op. 98 b | 22 | 22 |
| 933 | —— Nachtlied. Op. 108 | 19 | 19 |
| 934/35 | —— Der Rose Pilgerfahrt. Op. 112 | 23 | 23 |
| 936 | —— Manfred. Op. 115. Orgel u. | 29 | 28 |
| 937 | —— Der Königssohn. Op. 116 | 28 | 28 |
| 938 | —— Des Sängers Fluch. Op. 139 | 26 | 26 |
| 941 | —— Vom Pagen und der Königstochter. Op. 140 | 25 | 25 |
| 939 | —— Das Glück von Edenhall. Op. 143 | 26 | 26 |
| 940 | —— Neujahrslied. Op. 144 | 22 | 22 |
| 642/44 | —— Scenen aus Goethe's Faust | 26 | 26 |
| 945 | —— 3 Chöre: Zigeunerleben. Beim Abschied zu singen. Das Schifflein. (Bearb. C. Reinecke) | 21 | 21 |
| 946 | **Tinel,** Drei Ritter. Op. 19 | 25 | 25 |
| 1012/13 | —— Die Mohnblumen. Op. 20 | 26 | 26 |
| 1015 | —— Tanzchor a. Franziskus. Op. 36 | 28 | 28 |
| 1024 | **Wagner,** Lohengrins Abschied. »Mein lieber Schwan! Ach diese letzte traurige Fahrt« | 29 | 29 |
| 1021 | —— Begrüssung der Edlen und Burgbewohner. »In Frühn versammelt uns der Ruf« | 29 | 29 |
| 947 | —— Brautlied aus Lohengrin | 27 | 26 |
| 1023 | —— Brautscene. »Das süsse Lied verhallt« | 29 | 29 |
| 1020 | —— Duett zwischen Telramund und Ortrud. »Erhebe Dich« | 29 | 29 |
| 1018 | —— Elsa vor Gericht und Schwanenchor. »Seht hin, sie naht« | 32 | 32 |

## Konzert-Gesang- und Dramatische Werke.

Orgel- u. Klavierstimmen je ℳ 1.50, mit † bezeichnet ℳ 3.—.

| Nr. | | St. | H. |
|---|---|---|---|
| 1017 | **Wagner,** Feierlicher Zug z. Münster aus Lohengrin »Gesegnet soll sie schreiten« | 29 | 2 |
| 1022 | —— Feierlicher Zug zum Münster und Anklage Lohengrins durch Telramund. »Gesegnet soll sie schreiten« | 29 | 2 |
| 1019 | —— Gebet. »Mein Herr und Gott« | 29 | 2 |
| 1016 | **Zuschneid,** Lenzfahrt. Op. 22 | 12 | 1 |

## Opern.

Die Streichstimm. je Heft ℳ 3.—, mit † bezeichnet ℳ 6.— mit †† ℳ 9.—, bei den Wagnerschen Opern auch di anderen Stimmen je Heft ℳ 3.—.

| Nr. | | St. | |
|---|---|---|---|
| 1253/54 | **Beethoven,** Fidelio. (5 Streichstimmen = 4 H., 20 Harmoniest.) | 25 | 2 |
| 1251/52 | **Curti,** Lili-Tsee. Japanisches Märchen. (5 Streich-, 22 Harmonie-Stimmen) | 27 | 2 |
| 1270/74 | **Lohse,** Der Prinz wider Willen. 5 Streichstimmen Harmoniest. in Abschrift. | 5 | |
| 1275 | **Mozart,** Bastien und Bastienne. 6 Streichst. = 5 H., 6 Harmoniest.) | 12 | |
| | —— Cosi fan tutte. Harmoniestimmen in Abschrift. | | |
| 1255/57 | —— Die Hochzeit des Figaro. (Werk 492). 5 Streichst. = 4 H., 13 Harmoniest.) | 18 | 1 |
| 1258/59 | —— Don Juan. (527). (5 Streichst. = 4 H., 17 Harmoniest., 2 H. Bühnenmusik) | 24 | 2 |
| 1260/61 | —— Die Zauberflöte. (620). (5 Streichst. = 4 H., 17 Harmoniest., 1 H. Bühnenmusik) | 23 | 2 |
| 1262/64 | **Schumann,** Genoveva. (5 Streichst., 20 Harmoniest., 1 H. Bühnenmusik) | 2 | 2 |
| 1276 | **Tinel,** Godoleva. Op. 43. 5 Streichstimmen Harmoniestimmen leihweise. | 5 | |
| 1265 | **Wagner,** Lohengrin. (5 Streichst. †, 29 Harmoniest., 2 H. Bühnenmusik) | 36 | 3 |
| 1266 | —— Tristan und Isolde. (5 Streichst. ††, 27 Harmoniest., 1 H. Bühnenmusik) | 33 | 3 |
| 1267/68 | **Zöllner,** Das hölzerne Schwert. Streichst. Harmoniestimmen in Abschrift. | 5 | |

## Arien mit Orchester.

Gesangsstimme mit Klavierbegleitung 50 ₰ (mit † 1 ℳ

**Für Sopran.**

| Nr. | | St |
|---|---|---|
| — | **d'Albert,** Der Rubin. Erzählung Asafs. (St. in Abschr.) † | |
| 981 | **Beethoven,** Fidelio. Rec. u. Arie: »Abscheulicher, wo eilst du hin« | 14 |
| 951 | —— Op. 65. Scene u. Arie: »Ah! perfido« † | 12 |
| 952 | —— Arie: »Primo amore« † | 12 |
| — | **Cornelius,** Gunlöd. I. Scene, 1. Aufz. »Hildolf, d. Recke, u. Erna, sein Weib«. (St. in Abschr.) Gesangsst. 3 ℳ. | |
| — | **Enna,** Cleopatra. »Sie schäumen, die heiligen Wellen«. 1. Akt. (Stimmen in Abschrift) † | |
| — | —— —— »Ich singe für dich«. 3. Akt. (St. in Abschr.) † | |
| — | —— —— »Wie bist du bleich«. 3. Akt. (St. in Abschr.) † | |
| 978 | **Gluck,** Antigone. Rec. u. Arie: »Berenice, Ach, wo bist du?« † | 17 |
| 1398 | —— Iphigenie auf Tauris »O du, die mir einst Hülfe gab«. — (»O du, die meinen Tod hielt auf«) | 6 |
| 1399 | —— Orpheus. Arie: »Ach! Ich habe sie verloren« | 5 |
| 1382 | **Händel,** Messias. Arie: »Ich weiss, dass mein Erlöser lebet« | 8 |
| 1313 | —— Xerxes. Rec. u. Kavatine: »Meine liebliche Platane«. (F. Mottl) | 13 |
| 1381 | **Haydn,** Schöpfung. Rec. u. Arie: »Auf starkem Fittige schwinget« | 13 |
| 577 | —— —— Arie: »Nun beut die Flur das fri che Grün« | |
| 982 | **Hofmann,** Op. 118. »Die Verlassene«. Gesangscene † | 25 |
| 958 | **v. Holstein,** Op. 38. Beatrice. Scene † | 23 |
| 1388 | **Lortzing,** Undine. Arie: »So wisse, dass in allen Elementen« | 14 |
| 1389 | —— Waffenschmied. Scene u. Arie: »Er schläft«. | 19 |
| 1390 | —— Wildschütz. Arie: »Auf d. Lebens raschen Wogen« | 18 |
| 1391 | —— Zar u. Zimmermann. Ariette: »Die Eifersucht ist eine Plage« | 13 |
| 959 | **Mendelssohn,** Op. 94. Konzert-Arie † | 17 |
| 1392 | —— Hymne: »Hör' mein Bitten« † | 14 |
| 1376 | —— Elias. Arie: »Höre Israel, höre des Herrn Stimme« | 17 |
| 1374 | —— Paulus. Arie: »Jerusalem, die du tödtest die Propheten« | 12 |
| 1393 | **Meyerbeer,** Hugenotten. Gruss des Pagen. »Ihr edlen Herren allhier« | 19 |
| 1394 | —— Robert d. Teufel. Arie: »Robert, mein Geliebter« † | 25 |
| 969 | **Mozart,** »Ah lo previdi« — »Ach, meine Ahnung«. Scene und Kavatine. [Werk 272] † | 9 |
| 966 | —— »A questo seno« — »In meine Arme komm«. Rec. und Arie. [374] † | 9 |
| 960 | —— »Bella mia fiamma« — »Theuerstes Mädchen, ich scheide!« Scene und Arie. [528] † | 12 |
| 972 | —— »Ch'io mi scordi!« — »Mich zu trennen von dir«. »Non temer, amato bene« — »Zage nicht«. Rec. u. Rondo. [505] † | 12 |
| 968 | —— »Ma che vi fece« — »Ach! was verbrach«. Rec. und Arie. [368] † | 11 |
| 965 | —— »Mia speranza adorata« — »Ach, sie stirbt, meine Hoffnung«. Rec. und Rondo. [416] † | 11 |
| 967 | —— »Misera dove son« — »Wehe mir, ach!« Scene und Arie. [369] † | 9 |
| 973 | —— »Non più! tutto ascoltai« — »Genug, ich bin entschlossen«. »Non temer, amato bene« — »Lass, o Freund uns standhaft«. Rec. u. Arie m. oblig. Violine. [490] † (Violine 30 ₰) | 11 |
| 1375 | —— Don Juan. Arie: »Wenn du fein fromm bist«. — (»Du sollst erfahren«) [527] | 13 |
| | —— Die Hochzeit des Figaro. [492.] Daraus: | |
| 990 | Nr. 6. Arie: »Neue Freuden, neue Schmerzen«. — (»Ich weiss nicht, wo ich bin«) | 11 |
| 991 | Nr. 11. Arie: »Ihr, die ihr Triebe«. — (»Euch, holde Frauen«) | 11 |
| 580 | Nr. 19. Arie: »Wohin fliehen die Wonnestunden«. — (»Nur zu flüchtig«) | 11 |
| 581 | Nr. 27. Arie: »Endlich naht sich die Stunde« | 8 |
| | —— Zauberflöte. [620.] Daraus: | |
| 582 | Nr. 17. Arie: »Ach, ich fühl's, es ist verschwunden« | 8 |
| 975 | **v. Perfall,** Raimondin. Schlummerlied der Melusine. † | 16 |
| 975 | **Reinecke,** Op. 74. Mirjams Siegesgesang † | 22 |
| — | **Scharwenka,** Mataswintha. Mataswinthas Brautnachtsgesang. (Stimmen in Abschrift) † | |
| | **Wagner,** Lohengrin. Daraus: Lyrische Stücke. | |
| 980 | Nr. 1. Elsas Traum † | 26 |
| 1383 | Nr. 2. Elsas Gesang an die Lüfte † | 17 |
| 1384 | Nr. 3. Elsas Ermahnung an Ortrud † | 18 |
| | —— Tristan und Isolde. Daraus: Lyrische Stücke. | |
| 1385 | Nr. 2. Isoldens Erzählung an Brangäne † | 29 |
| 1386 | Nr. 5. Isoldens Antwort an Tristan † | 29 |
| 1387 | Nr. 6. Isoldens Verklärung † | 30 |
| — | **Wallnöfer,** Eddystone. Kittys Monolog. (St. i. Abschr.) † | |
| 1395 | **Weber,** Euryanthe. Arie: »Glöcklein im Thale« | 20 |
| 1396 | —— Der Freischütz. Rec. u. Arie: »Wie nahte mir der Schlummer« | 17 |
| 1397 | —— Oberon. Arie: »Ocean, du Ungeheuer« † | 22 |
| — | **Zoellner,** Die versunkene Glocke. »Rautendelein im Walde«. (Stimmen in Abschrift) † | |

12./01.)

Druck von Breitkopf & Härtel in Leipzig.